International Journal of Humanities and Social Science Invention (IJHSSI)
ISSN (Online): 2319 – 7722, ISSN (Print): 2319 – 7714
www.ijhssi.org ||Volume 13 Issue 1 || January 2024 || PP. 62-67

दौसा में नगरीय जनांकिकीय स्वरूप का भौगोलिक अध्ययन

सोनू गार्गिया, *शोधार्थी, गुरु गोविन्द जनजाति विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा, राजस्थान*

डॉ. कल्याणमल सिंगाड़ा, *सह आचार्य, भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय, सज्जनगढ़, बांसवाड़ा, राजस्थान*

शोध सारांश

जनसंख्या तथा नगरीय विकास के स्तर में प्रत्यक्ष एवं परस्पर घनिष्ठ सम्बन्ध होता है। प्रत्येक देश का उत्पादन स्तर, आर्थिक विकास की दर, राष्ट्रीय तथा प्रतिव्यक्ति आय, देश में उत्पादन क्रियाओं का संचालन, रहन–सहन का स्तर आदि सभी दशाएँ उस देश की जनसंख्या के आकार, गठन एवं वितरण पर निर्भर करती है। मानव ही वह शक्ति है जो इन संसाधनों को अपनी कार्यकुशलता तथा बौद्धिक दक्षता द्वारा वांक्षित दिशा में गतिशील कर इनका अनुकूलतम उपयोग करती है तथा विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। इस तरह जनसंख्या एवं औद्योगिक विकास दोनों प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से एक दूसरे को प्रभावित करते है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि औद्योगिक विकास की दृष्टि से जहां विकसित देशों की भांति ही अल्पविकसित देशों में दृढ़, भौतिक आधार का निर्माण करना आवश्यक है, वहां विकास के राजनैतिक, सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक निर्धारकों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। मानवीय तत्वों की उपेक्षा कर विकास के किसी भी कार्यक्रय को सफल नहीं बनाया जा सकता है।

मुख्य शब्द :– दौसा शहर की जनसंख्या, धर्म के अनुसार वितरण, वार्ड अनुसार जनसंख्या, जनसंख्या की प्रवृति एवं निष्कर्ष ।

परिचय :–

किसी देश के राष्ट्र निर्माण एवं नगरीय विकास में वहां की जनसंख्या महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। साथ ही किसी देश के आर्थिक विकास का उस देश की जनसंख्या पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। इस तरह जनसंख्या तथा नगरीय विकास के स्तर में प्रत्यक्ष एवं परस्पर घनिष्ठ सम्बन्ध होता है। प्रत्येक देश का उत्पादन स्तर, आर्थिक विकास की दर, राष्ट्रीय तथा प्रतिव्यक्ति आय, देश में उत्पादन क्रियाओं का संचालन, रहन–सहन का स्तर आदि सभी दशाएँ उस देश की जनसंख्या के आकार, गठन एवं वितरण पर निर्भर करती है। मानव ही वह शक्ति है जो इन संसाधनों को अपनी कार्यकुशलता तथा बौद्धिक दक्षता द्वारा वांक्षित दिशा में गतिशील कर इनका अनुकूलतम उपयोग करती है तथा विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। इस तरह जनसंख्या एवं नगरीय विकास दोनों प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से एक दूसरे को प्रभावित करते है।

किसी देश के नगरीय विकास पर उस देश के संगठनात्मक ढांचे का भी प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी ज्ञान तथा नवीन खोजों का नगरीय विकास की दृष्टि से तब तक कोई महत्व नहीं है, जबतक कि उन्हें व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए योग्य साहसी मनुष्य न हो। इस तरह यदि किसी देश में उद्दमी दूरदर्शी, महत्वाकांक्षी, अच्छा नेतृत्व प्रदान करने वाले, नगरीय विकास के बाधक तत्वों को समाप्त करने वाले व्यक्ति हैं तो वह अच्छा नगरीय विकास कर सकता है। इसके विपरीत इन गुणों से युक्त व्यक्तियों के अभाव में नवीन और आधुनिक तकनीकी अविष्कार के बावजूद कोई देश वांछित औद्योगिक प्रगति नहीं कर सकता। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में नगरीकरण की बढ़ती हुई प्रवृत्ति के मद्देनजर नगरों का तीव्र गति से सामाजिक तथा आर्थिक विकास हो रहा है। नगरों में जनसंख्या के बढ़ते दबाव के कारण नगरीय भूदृश्यों में लगातार परिवर्तन हो रहा है। अतः इन निरंतर परिवर्तित भूदृश्यों को विनिर्धारित करने के लिए नगरीय आकारिकी को महत्वपूर्ण विषय के रूप में स्वीकृत किया गया है। नगरीय आकारिकी के अन्तर्गत नगर की आंतरिक विशेषताओं यथा– मार्गों तथा गृहों की स्थिति, कार्यात्मक संरचना, जनांकिकी विशेषताओं आदि का अध्ययन भी सम्मिलित है। इस प्रकार किसी शहर विशेष के भविष्योन्मुखी सुनियोजित विकास हेतु नगरीय आकारिकी को महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। तथा इसी के आधार पर उस नगर का मास्टर प्लान तैयार किया जाता है। नगरीय आकारिकी के प्राथमिक अध्ययन से ही नगर के विकास में उत्पन्न होने वाली विभिन्न अनियमितताओं व अव्यवस्थाओं को दूर किया जा सकता है। इससे नगरीय जनसंख्या तथा अप्रवासी नागरिकों के हित में उपलब्ध प्राकृतिक तथा मानवीय संसाधनों का संपोषणीय उपयोग संभव हो पाया है तथा सरकार का सम्बंधित नगर के विकास की योजनाओं के बनाने एवं जनसांख्यिकीय लाभांश के उपयुक्त विकास के सुअवसर उपलब्ध हो पाए है।

उद्देश्य :–

1 अध्ययन क्षेत्र दौसा शहर में जनसंख्या की प्रवृति का अध्ययन करना ।

2 अध्ययन क्षेत्र दौसा शहर में जनांकिकीय स्वरूप का भौगोलिक अध्ययन करना ।

परिकल्पना :–

1. अध्ययन क्षेत्र दौसा शहर में जनांकिकीय स्वरूप में निरंतर परिवर्तन हो रहा है ।

आँकड़ो का संकलन :–

प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितायक आँकड़ो का प्रयोग जनगणना विभाग के आँकड़ो का उपयोग करके किया गया है ।

अध्ययन क्षेत्र :–

दौसा नगर राजस्थान के उत्तर पूर्व में स्थित है यह नगर राजस्थान में 26″ 54″ उत्तरी अक्षांश तथा 76″21″ पूर्वी देशांतर पर स्थित है इस नगर की समुद्र तल से औसत ऊंचाई 333 मीटर है। दौसा शहर देवगिरी की पहाड़ियों की तलहटी में बसा हुआ

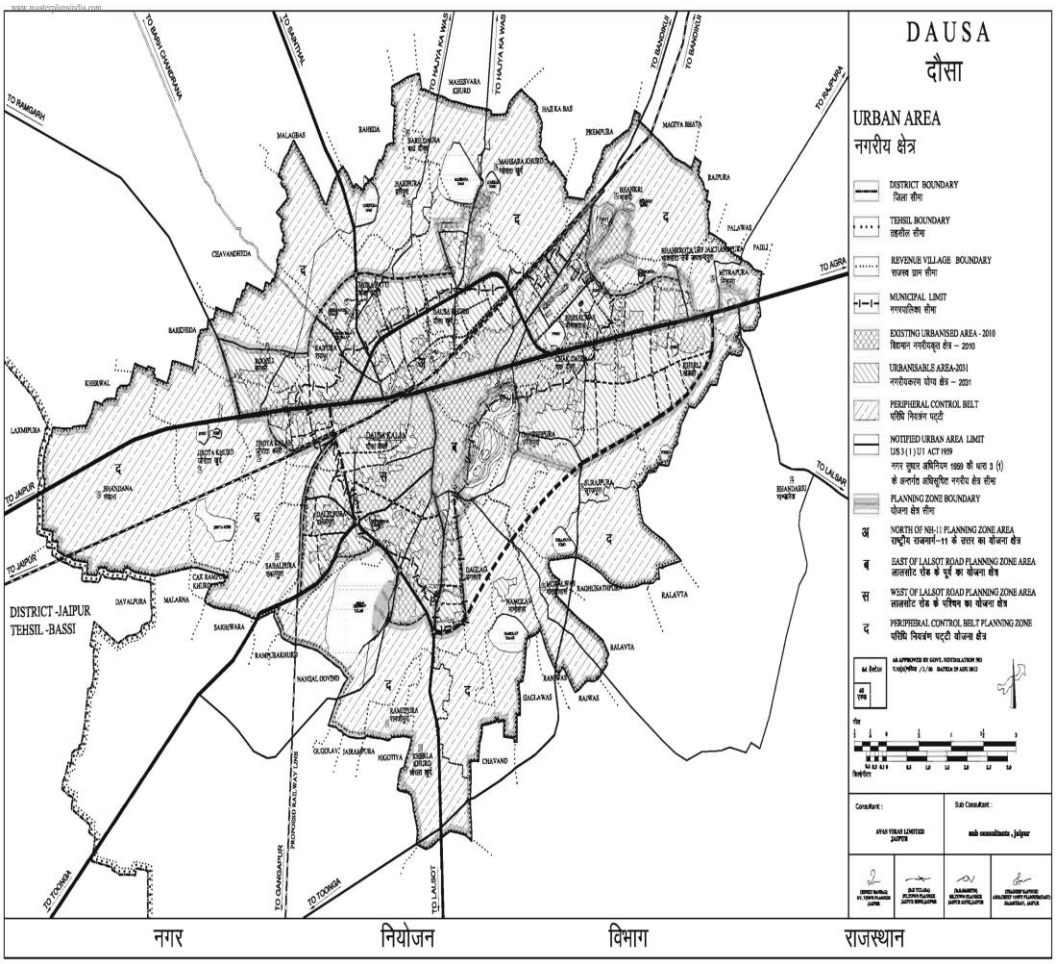

दौसा नगर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण अपना अलग ही अस्तित्व बनाए हुए हैं। नगर की विशिष्ट स्थिति ने इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दौसा शहर के नाम की उत्पत्ति "घौसा" नामक शब्द से हुई थी। यहां पर पहाड़ी पर स्थित नंगाडे पर लकड़ी के द्वारा प्रहार कर बाहरी आक्रमणकारीयों की सूचना नगर वासियों को दी जाती थी। यह लकड़ी के प्रहारक को "धौसा" कहा जाता था। कालांतर में इस शब्द का अपभ्रंश रूप दौसा कहलाया । यह क्षेत्र पूर्व ऐतिहासिक एवं उत्तर मध्य काल में अस्तित्व में था। यह शहर वैदिक काल में मत्स्य प्रदेश के तथा बाद में कछवाहा राजवंश की प्रमुख गद्दी के रूप में विद्यमान था। शहर को "ढूँढाड" राज्य की पहली राजधानी बनने का सौभाग्य प्राप्त है

दौसा नगर राष्ट्रीय राजमार्ग (जयपुर आगरा) संख्या 21 पर स्थित है। आगरा, जयपुर तथा अलवर वाया बांदीकुई आदि नगरों से सडक मार्ग तथा रेल मार्ग दोनों से जुड़ा हुआ है। दौसा शहर राज्य की राजधानी से सड़क मार्ग के द्वारा लगभग 54 किलोमीटर तथा रेल मार्ग के द्वारा लगभग 61 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दौसा दिल्ली– अहमदाबाद तथा अहमदाबाद– आगरा ब्रॉड गेज लाइन पर स्थित है। दौसा से गंगापुर के लिए रेलवे मार्ग का कार्य भी चल रहा है।

दौसा नगर जनसंख्या जनगणना 2011 – 2024

दौसा राजस्थान के दौसा जिले में एक नगर पालिका शहर है। दौसा शहर को 35 वार्डों में विभाजित किया गया है जिसके लिए हर 5 साल में चुनाव होते हैं। भारत की जनगणना 2011 द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, दौसा नगर पालिका की जनसंख्या 85,960 है, जिसमें 45,369 पुरुष हैं, जबकि 40,591 महिलाएं हैं।

0–6 वर्ष की आयु के बच्चों की जनसंख्या 11042 है जो दौसा शहर की कुल जनसंख्या का 12.85þ है। दौसा नगर पालिका में, महिला लिंग अनुपात राज्य के औसत 928 के मुकाबले 895 है। इसके अलावा दौसा में बाल लिंग अनुपात राजस्थान राज्य के औसत 888 की तुलना में लगभग 833 है। दौसा शहर की साक्षरता दर राज्य के औसत 66.11þ से 82.02þ अधिक है। दौसा में पुरुष साक्षरता दर लगभग 91.63þ है जबकि महिला साक्षरता दर 71.40þ है।

दौसा नगर पालिका का कुल प्रशासन 15,465 से अधिक घरों पर है, जहां यह पानी और सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करता है। यह नगर पालिका सीमा के भीतर सड़कें बनाने और अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली संपत्तियों पर कर लगाने के लिए भी अधिकृत है।

दौसा 2023 – 2024 जनसंख्या

2024 में दौसा नगर पालिका की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या लगभग 120,000 है। दौसा शहर के लिए 2021 की निर्धारित जनगणना को कोविड के कारण स्थगित कर दिया गया है। हमारा मानना है कि दौसा शहर के लिए नई जनसंख्या जनगणना 2024 में आयोजित की जाएगी और इसके पूरा होने के बाद इसे अपडेट किया जाएगा। दौसा शहर के वर्तमान आंकड़े केवल अनुमानित हैं लेकिन 2011 के सभी आंकड़े सटीक हैं। दौसा में कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति (एससी) 18.14þ है जबकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) 9.36þ है।

दौसा नगर की कार्यात्मक संरचना :–

कुल जनसंख्या में से, 25,046 काम या व्यावसायिक गतिविधि में लगे हुए थे। इनमें से 20,621 पुरुष थे जबकि 4,425 महिलाएं थीं। जनगणना सर्वेक्षण में, श्रमिक को उस व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है जो व्यवसाय, नौकरी, सेवा और कृषक और श्रमिक गतिविधि करता है। कुल 25046 कामकाजी आबादी में से 89.78þ मुख्य कार्य में लगे हुए थे जबकि कुल श्रमिकों में से 10.22þ सीमांत कार्य में लगे हुए थे।

दौसा नगर की जनसंख्या धर्म का वितरण :–

अध्ययन क्षेत्र दौसा शहर में धर्म के अनुसार जनसंख्या का वितरण सारणी संख्या 1 में दिया गया है । सारणी के अध्ययन से स्पष्ट है कि हिन्दू धर्म की जनसंख्या 84.69 प्रतिशत, मुस्लिम 14.11 प्रतिशत, जैन 0.66 प्रतिशत, ईसाई 0.16 प्रतिशत एवं सिक्ख 0.15 प्रतिशत हैं ।

सारणी संख्या :– 1

दौसा नगर की जनसंख्या धर्म का वितरण 2021

क्रम सँख्या	धर्म	प्रतिशत
1	हिंदू	84ण्69
2	मुस्लिम	14ण्11
3	ईसाई	0ण्16
4	जैन	0ण्66
5	सिक्ख	0ण्15
6	कोई धर्म नही	0ण्21
7	अन्य	0ण्02
8	बौद्ध	0ण्00

स्त्रोत :– नगरीय सांख्यकीय प्रतिवेदन, दौसा ।

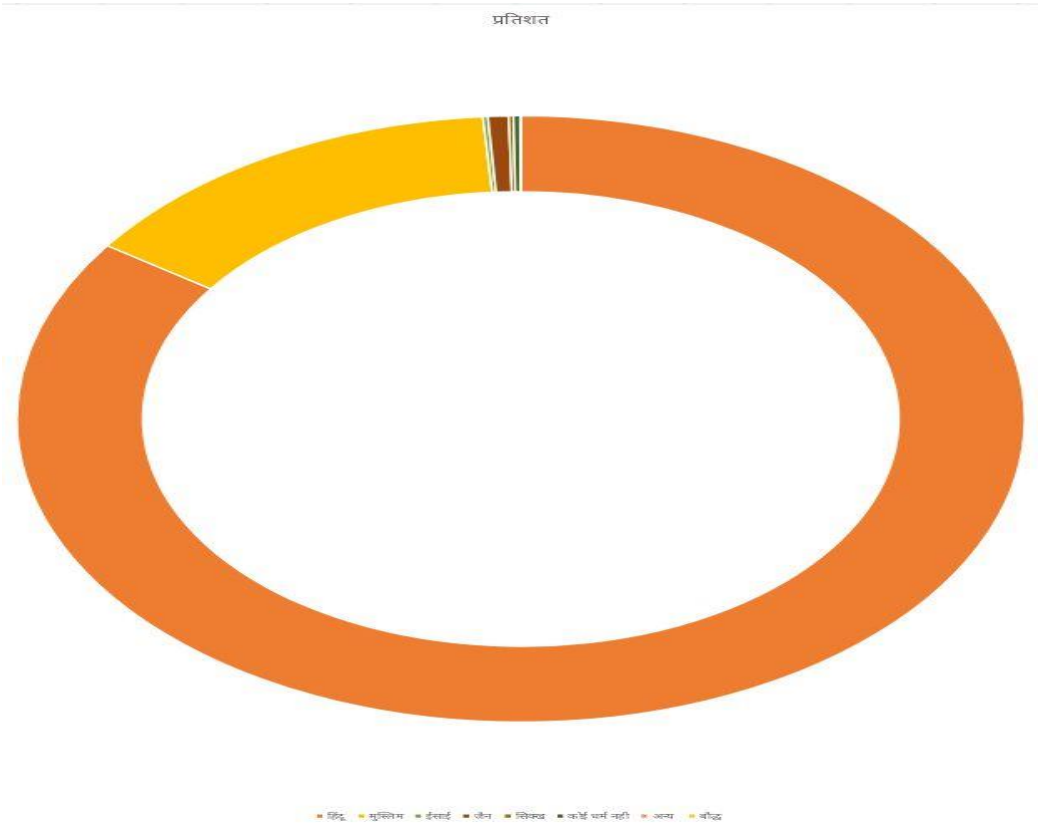

दौसा शहर की वार्ड अनुसार जनसंख्या :–

अध्ययन क्षेत्र दौसा शहर में वार्ड अनुसार जनसंख्या का वितरण सारणी संख्या 2 में दिया गया है । सारणी के अध्ययन से स्पष्ट है कि दौसा नगर की 35 वार्डों की कुल जनसंख्या 85960 है । सबसे अधिक जनसंख्या वार्ड नम्बर 34 में 6008 है । सबसे कम जनसंख्या वार्ड संख्या 29 में 1433 है । अध्ययन से ज्ञात हुआ कि जैसे जैसे नगरीय विकास हुआ वैसे वैसे जनसंख्या वृद्धि हुई है जिन वार्डो में मूलभूत सुविधाओं का विकास हुआ वहाँ ग्रामीण परिवेश से लोग आकर बस गए जबकि पुराने शहर में जनसंख्या का दबाव कम होने लग गया है ।

सारणी संख्या :– 2

दौसा शहर वार्ड अनुसार जनसंख्या 2011

वार्ड संख्या	जनसंख्या	वार्ड संख्या	जनसंख्या
1	3520	19	1631
2	2078	20	2017
3	4271	21	2795
4	4555	22	2352
5	1689	23	1905
6	1593	24	1671
7	2264	25	1962
8	1696	26	1973
9	3094	27	1877
10	2838	28	1747
11	3475	29	1433
12	3833	30	1468
13	2625	31	1732

14	1927	32	1726
15	1765	33	4235
16	1857	34	6008
17	2142	35	2700
18	1506	कुल योग	85960

स्त्रोत :– नगरीय सांख्यकीय प्रतिवेदन, दौसा ।

दौसा शहर वार्ड अनुसार जनसंख्या 2011

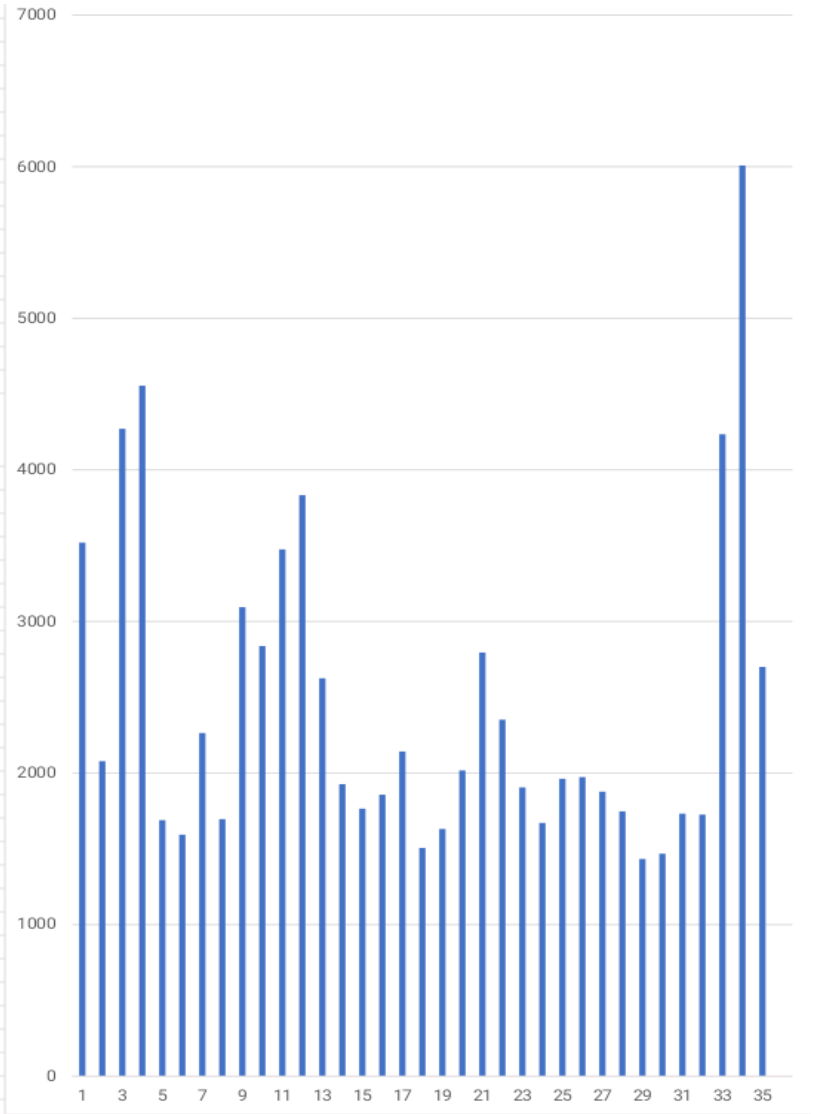

दौसा शहर में जनसंख्या की प्रवृति :–

सारणी संख्या 3 के अध्ययन से ज्ञात हुआ कि दौसा शहर में वर्ष 2011 में जनसंख्या 85960 है जो वर्ष 2021 में बढ़कर 111000 हो गई । इसी प्रकार वर्ष 2025 में बढ़कर 123000 होने का अनुमान है । वर्ष 2031 तक 143000 होने का अनुमान है । जनसंख्या की बढ़ती प्रवृति दर्ज की जा रही है ।

सारणी संख्या :– 3

दौसा शहर/कस्बे की भावी जनसंख्या 2021–2031

वार्ड संख्या	वर्ष	जनसंख्या
1	2011	85ए960
2	2021	111ए000
3	2022	114ए000
4	2023	117ए000
5	2024	120ए000
6	2025	123ए000
7	2026	126ए000
8	2027	129ए000
9	2028	132ए000
10	2029	135ए000
11	2030	139ए000
12	2031	143ए000

स्त्रोत :– नगरीय सांख्यकीय प्रतिवेदन, दौसा ।

निष्कर्ष :–

अध्ययन क्षेत्र दौसा में नगर की जनसंख्या बढ़ने से उनमें स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो गईं। श्रमिकों को अमानुषिक एवं निराशाजनक परिस्थितियों में काम करना पड़ता था। बाल श्रम की कुप्रथा व्यापक स्तर पर प्रचलित हो गई थी। हालांकि अध्ययन क्षेत्र दौसा में चिकित्सा क्षेत्र में हुई महत्त्वपूर्ण खोजों के कारण मृत्यु दर में कमी आई। अध्ययन क्षेत्र में नगरीय विकास के परिणामस्वरूप जनसंख्या वृद्धि से आवास समस्या बढ़ी और साथ ही अपराध में वृद्धि हुई ।

संदर्भ सूची :–

1 शुक्ला, लक्ष्मी (1982) : एप्रेजल पब्लिशड ऑफ रिसर्च एनः "एन्वारयमेन्टल राजस्थान ' प्रोजेक्ट

2 नगरीय सांख्यकीय रूपरेखा : दौसा (2001)

3 नगरीय सांख्यकीय रूपरेखा : दौसा (2011)

4 जनगणना प्रतिवेदन (2011) : जनगणना विभाग, जयपुर, राजस्थान

5 जिला सांख्यकीय रूपरेखा : आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, (2016) राजस्थान, जयपुर ।

6 रॉबर्ट, एम. सोलो, "टेक्निकल चेंज एंड द एग्रीगेट प्रोडक्शन फंक्शन"; अर्थशास्त्र और सांख्यिकी की समीक्षा, खंड। 34, नंबर 3, अगस्त 1967, पीपी। 312–20।

7 ए.के. सेन, "म्बवदवउपब ।चचतवंबीमे जव म्कनबंजपवद ंदक ॅवतावितबम च्संददपदह"; भारतीय आर्थिक समीक्षा, नई श्रृंखला, वॉल्यूम। 1, 1966।

8 शुक्ला एवं तिवारी, "इंवेस्टमेंट इन ह्यूमन कैपिटल", द अमेरिकन इकोनॉमिक रिव्यू, वॉल्यूम। 31, नंबर 1, मार्च 1963, पृष्ठ 13।

9 रिचंद, टी. गिल, "इकोनॉमिक डेवलपमेंट पास्ट एंड प्रेजेंट"; नई दिल्ली, 1956, पृ.19